IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, March 2024

शासकीय योजनाओं में अनुसूचित जाति की महिलाओं के सामाजिक तथा आर्थिक विकास में लाड़ली लक्ष्मी योजना का विष्लेषणात्मक अध्ययन (खरगोन जिले के संदर्भ में)

डॉ .मुकेष कुमार सावले
शोध–पत्र, अर्थशास्त्र
Lecturer, Amar Shahid Raja Bhau Mahakal Government College, Sonkatch.

यदि आपको विकास करना है तो महिलाओं का उत्थान करना होगा। महिलाओं का विकास होने पर समाज का विकास स्वतः ही हो जाएगा।''

–पंडित जवाहरलाल नेहरू

ष्अर्थषास्त्र में विकास शब्द न केवल एक सकारात्मक परिवर्तन का सूचक है अपितु इसका संबंध मानव मात्र के कल्याण से भी हैं। जब हम किसी अर्थव्यवस्था के विकास की बात करते हैं तो उससे हमारा तात्पर्य उसके चहुंमुखी विकास की तथा उससे संबंधित प्रत्येक क्षेत्र व वर्ग के विकास से होता हैं। अर्थव्यवस्था समाज से घनिष्ठ रूप से संबंधित है तथा समाज परिवार का ही वृहद रूप हैं, आधारषिला है नारी जिसके बिना इस परिवार रूपी पौधे के अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित तथा फलित होने का प्रष्न ही नहीं उठता। इस दृष्टि से चूंकि नारी अर्थव्यवस्था से आवष्यक रूप से संबंधित है, नारी का विकास किये बिना हम अर्थव्यवस्था के विकास की कल्पना तक नहीं कर सकते।

ष्एक ओर जहां देष के समक्ष विकास की महान् चुनौतियां मुंह बांये खड़ी हैं जिनकी तरफ सारी दुनियां की नजर है, वहीं दूसरी ओर देष के सामने महानतम् चुनौती हैं महिलाओं के विकास की, उसकी स्थिति में सुधार की जिसे सब जानते हुए भी नजर अन्दाज करते रहे हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब कभी पुरूष प्रधान सभ्यता ने नारी जाति की अवहेलना की, समाज का विकास अवरूद्ध हुआ, उसका पतन हुआ, किन्तु जब नारी जाति को मान–सम्मान दिया गया उसे प्रेरणा व स्फूर्तिदायिनी जगतजननी का स्थान दिया गया, समाज उन्नति के षिखर पर पहुंच गया।